

एक नजर

छात्रवृत्ति घोटाले की जांच आख्या गायब

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। एक दशक पूर्व वर्ष 2013-14 में हुए छात्रवृत्ति घोटाले की जांच आख्या गायब हो गई है। इस जांच आख्या को तत्कालीन डीएम के निर्देश पर सीडीओ मारकण्डेय शाही की अध्यक्षता वाली टीम ने तैयार किया था। जांच आख्या के अनुसार छात्रवृत्ति का नबन करने वाले 11 विद्यालयों को नोटीस पाया गया था। इसके आधार पर उनके खिलाफ कोतवाली थाने में एफआईआर हुई थी। बाद में यह जांच आर्थिक अनुसंधान शाखा को ट्रांसफर हो गई थी। इसीओडिओ के विवेक ने डीएम बस्ती से जांच आख्या दिलाने की मांग की है। अधिकार अवरुध अनुसंधान संगठन के एडवोकेट ने डीएम बस्ती, उप निदेशक समाज कल्याण, जिला समाज कल्याण अधिकारी को लिखा पत्र में कहा है कि 'हमविमरण उत्तर प्रदेश शासन ने जुलाई 2016 में बस्ती के पूर्व दरम छात्रवृत्ति का एक क्रेडिट विभाग को जमा था। यह क्रेडिट जमाने में संचालित व अवरुधित 11 विद्यालयों का था, जिन्होंने पूर्व दरम छात्रवृत्ति योजना के तहत वर्ष 2013-14 में छात्रवृत्ति की धनराशि गनन कर लिया था। इस पर संस्थाओं के प्रबंधक, प्रधानाचार्य, खाता संवर्धन व शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, अन्य विभागों ने दोषी कार्रमियों, अधिकारियों व अन्य के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने के लिए धारा कोतवाली में एफआईआर दर्ज हुआ था। यह एफआईआर क्रमांक 18042015 द्वारा 419, 420, 409 आईपीसी के तहत दर्ज हुआ। कोतवाली बस्ती में दर्ज इस मुकदमे की विवेचना इसीओडिओ को दी गई है। जिसके विवेक इलेक्ट्रिक निरीक्षक शिव कुमार मिश्र को बनाया गया है। यह मुकदमा तत्कालीन डीएम के निर्देश पर सीडीओ मारकण्डेय शाही की अध्यक्षता वाली टीम ने तैयार किया था। जांच आख्या के आधार पर दर्ज कराया गया था। विवेक इलेक्ट्रिक ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को यही जांच आख्या उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया। इस पर जिला समाज कल्याण अधिकारी बस्ती ने 25 अक्टूबर 2024 को जेन पत्र के माध्यम से बताया कि जांच आख्या पत्रावली पर उपलब्ध नहीं है। जांचित सूचना अभी तक प्राप्त नहीं है। इसीओडिओ ने डीएम बस्ती से जांच आख्या दिलाने के लिए अनुरोध किया है।

छात्रा की मौत मामले में नया मोड़

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। जिलाधिकारी के कोपीजट विद्यालय में चार दिन पूर्व संदिग्ध हाल में छात्रा के मौत के मामले में डीएम रिपोर्ट के बाद भी मौत की गुत्थी उलझ गई है। इस मामले में परिजनों ने फंदा लगाने की बात कही है। लेकिन पीएम रिपोर्ट में हेंगिंग डेथ की पुष्टि नहीं हुई। अब मामला डेथ-आत्महत्या के बीच उलझ गया है। सीओ रूलीनी स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि पीएम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं है, न ही हेंगिंग की पुष्टि हुई है। शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। सिसरा प्रिजर्व किया गया है। पुलिस कर दायरा बढ़ाते हुए हर पहलुओं पर जांच कर रही है। गौरतलब है कि कप्तानगंज थानाक्षेत्र के एक कोपीजट विद्यालय के बंद करने में 11 वर्षीय कक्षा छह की छात्रा का शव सविस्तर परिस्थितियों में मिला था। इस मामले की सूचना शिक्षक ने भी पुलिस को नहीं दी। जानकारी होने पर एसपी, एसडीएम, सीओ, बीएसए व अन्य अधिकारियों को पर पहुंची। शिक्षक ने पत्रावली में बताया कि स्कूल के बंद करने में छात्रा का शव फंदा से लटकता मिला था। ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारा गया। परिजन शव लेकर चले गए। हुए मृत छात्रा के पिता ने शव को मनवर नदी के दुर्गा धातु गड्ढा के पास दफन कर दिया था। शव की जांच कारगारों मिलने के बाद पुलिस ने डीएम से शव को कब्जे से निकालने की अनुमति मांगी। मजिस्ट्रेट के साथ ममता निरीक्षक उमेश मिश्र और फील्ड मुनित्र के मजबूत जांच पर पहुंचे और शव में दफन किए गए शव को शव को बाहर निकाल कर पीएम के लिए भेज दिया गया। मुख्यालय को पीएम रिपोर्ट आने के बाद भावने में नया मोड़ आ गया। पहले परिजन और शिक्षक मामले को अविचार्य बता रहे थे, लेकिन पीएम रिपोर्ट में हेंगिंग की पुष्टि ही नहीं हुई।

एसयूवी बस से टकराई, महाकुंभ जा रहे 10 श्रद्धालुओं की मौत, 19 घायल

प्रयागराज (आमा)। प्रयागराज जिले में यमुना नगर के मेजा थाना अंतर्गत प्रयागराज-मीरजापुर राजमार्ग पर शुक्रवार देर रात एक बस और एक एसयूवी की आमने-सामने की टक्कर होने से एसयूवी में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।
पुलिस उपायुक्त (यमुना नगर) विवेक चंद्र यादव ने बताया कि शुक्रवार देर रात छत्तीसगढ़ के कोरवा से श्रद्धालु एसयूवी से महाकुंभ में स्नान करने आ रहे थे लेकिन तभी मेजा थाना अंतर्गत राजमार्ग पर प्रयागराज की तरफ से जा रही एक बस से उसकी आमने-सामने की टक्कर हो गई।
उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना में एसयूवी में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई और बस में सवार लोगों को मामूली चोट आई है। यादव ने बताया कि बस में भी श्रद्धालु ही



सवार थे और वे मध्य प्रदेश के राजगढ़ जा रहे थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए शोकसंतपन परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया नंबर एक्स पर एक पोस्टर में लिखा, 'मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने प्रयागराज-मीरजापुर राजमार्ग पर संदुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए शोकसंतपन परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

कर्णी सेना ने सौंपा ज्ञापन: डायनोस्टिक पैथालोजी सेंटर के जांच की मांग



—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। जिलाधिकारी को कर्णी सेना के प्रदेश सचिव एवं बस्ती माडल प्रभारी समर प्रताप सिंह के साथ पदाधिकारियों और सदस्यों ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रस्तानिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मानपुर के गेट के बाहर बलाया जा रहे साइड जामोनैस्टिक सेंटर और पैथालोजी सेंटर की जांच करारकर समुचित कार्यवाही की जाय।
ज्ञापन देने के बाद समर प्रताप सिंह ने बताया कि साइड जामोनैस्टिक सेंटर और पैथालोजी सेंटर की भूमिका संदिग्ध है। पदाधिकारी शामिल रहे।

भारतीय कुर्मी महासभा की बैठक में सांगठनिक मजबूती पर जोर



—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। शनिवार को भारतीय कुर्मी महासभा के पदाधिकारियों और सदस्यों की बैठक संतलब समागार में सम्पन्न हुई। बैठक को अध्यक्षित करते हुए जिलाध्यक्ष डा. बी.के. वर्मा ने महासभा के मजबूती पर जोर देते हुए बताया कि आगामी 31 मार्च को नये पंजीकरण आदि की संपन्न जाय मुख्य विक्तित्वाधिकारी द्वारा कराया जाय जिससे सप्त सामने आ सके।
ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से सौनु सिंह और कर्णीसेना के पदाधिकारी शामिल रहे।

महाकुंभ में फिर लगी आग, कई पंडाल जले

प्रयागराज (आमा)। महाकुंभ मेला में एक बार फिर आग लग गई। आग लगने की खबर सगते ही पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। आग महाकुंभ स्थित लवकुश धाम कैप में लगने की बात कही जा रही है। आग से कई पंडाल जलने की भी सूचना है। आग लगने की जेसे ही खबर लगी तो फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके के लिए रवाना हो गईं। हालांकि आग से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग कैसे लगी? इसकी जानकारी नहीं हो पाई है। बताते कि ये तीसरी बार ऐसा हुआ जब महाकुंभ में आग लगी है। इससे पहले तो फरवरी की रात सेक्टर-23 में आग लगी थी। घटना की सूचना मिलने के बाद तुरंत ही



फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया था। आग लगने के वजह गैस सिलेंडर का लौक होना बताया गया था।
महाकुंभ शुरू होने के साथ ही यहां कई बार आग लग चुकी है। 30 जनवरी को भी महाकुंभ में आग लगी थी। इस घटना में एक दर्जन से ज्यादा टेंट जले थे। आग प्रतनाम घाट नागेश्वर घाट सेक्टर 22 के पास टेंट सिटी में लगी थी। जानकारी के आगे सूरी की तरफ छतनाम के पास मेला के किनारे यह घाट है। प्राइवेट कंपनी की ओर से लगाए गए वैदिक टेंट सिटी में आग लगी थी। चीफ फायर ऑफिसर प्रमोद कुमार शर्मा ने बताया आग की सूचना मिलने के बाद के तुरंत बाद कई दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया था।

समाधान दिवस:62 शिकायतों में 9 निस्तारित

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में माह फरवरी के तृतीय शनिवार को तहसील रूलीनी समागार में जिला स्तरीय समुप समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जिलाधिकारी द्वारा आये एक-एक करियादिवां की समस्याओं/शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुनकर उसका निस्तारण मौके पर उपस्थित अधिकारियों से किये जाने का निर्देश दिया।



जिला स्तरीय समुप समाधान दिवस में जिलाधिकारी के समक्ष कुल 62 शिकायतें प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें 09 शिकायतों का निस्तारण जिलाधिकारी द्वारा मौके पर किया गया। शेष शिकायतें सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों द्वारा सप्तम्य करने के निर्देश दिये गये हैं। इस अवसर पर एसडीएम शाहिद अहमद, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार, डीएसओ जयप्रकाश, डीपीओ रतन कुमार, डीपीओ राजेश कुमार, डीएसओ सत्यवीर सिंह, पीओ डूडा गद। शेष शिकायतें सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों द्वारा सप्तम्य करने के निर्देश दिये गये हैं। इस अवसर

शिक्षक संकुलों की त्रैमासिक बैठक में विद्यालयों को निपुण बनाने पर विमर्श

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के समागार में जिला स्तरीय शिक्षक संकुल की त्रैमासिक बैठक आयोजित प्रार्थना संजय कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में शनिवार को सम्पन्न हुई। जनपद के समस्त विकासखण्डों की बैठक चार चरणों में कराई गई जिसमें लगभग 700 शिक्षक संकुलों में प्रतिभाग किया। डायट प्रचार्य ने कहा कि बीते दिनों कुछ विद्यालयों में निपुण असेसमेंट हो चुका है जिसमें अधिकतर विद्यार्थी निपुण पाए गए हैं। आगामी सोमवार से द्वितीय चरण में जिले के 477 विद्यालयों में निपुण असेसमेंट होगा। निपुण लक्ष्य प्राप्त करना यह किसी कक्षा का न्यूनतम योग्यता मानक है। शिक्षक पढ़ाई की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन कर ताकि बच्चे अपनी कक्षा के उच्च स्तर की योग्यता हासिल कर सकें। बैठक के प्रभारी डायट प्रवक्ता अलीउद्दीन खान और इमरान ने संकुल शिक्षकों से विभिन्न विद्युओं पर विद्यालयों की प्रगति रिपोर्ट प्राप्त किया। अलीउद्दीन खान ने कहा कि शिक्षकों का मुख्य कार्य शिक्षण है इसलिए उस पर विशेष ध्यान



पढ़ाई की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें शिक्षक-संजय शुक्ल

देते हुए बच्चों का सर्वांगीण विकास करें। कहा कि शिक्षकों की महनत का परिणाम है कि गत दिनों हुए निपुण असेसमेंट टेस्ट में जिले का परिणाम काफी अच्छा रहा। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण निपुण असेसमेंट का कार्यक्रम विद्यालयों वार घोषित कर दिया गया है। जिसका असेसमेंट आगामी 17 फरवरी से किया जाएगा। बैठक के मुख्य संदर्भदाता एसआरजी आशीष श्रीवास्तव ने विषय वस्तु निपुण के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण तरीके बताये। उन्होंने बताया कि शिक्षण के दौरान टीएचएफ का प्रयोग शिक्षक जल्द प्राप्त किया। अलीउद्दीन खान ने कहा कि शिक्षकों का मुख्य कार्य शिक्षण है इसलिए उस पर विशेष ध्यान

संत रविदास जयन्ती के उपलक्ष्य में निकली शोभा यात्रा: दिया संदेश

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। महान संत रविदास की जयन्ती अवसर पर कार्यक्रमों का निरालसा लतातार जारी है। इसी कड़ी में नगर पंचायत द्वारा जगदीशपुर में संत रविदास जयन्ती का आयोजन भूमाग से किया गया। जगदीशपुर से मुखेश्वरा बाजार होते हुए जगदीशपुर अंबेडकर मार्ग तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। शोभायात्रा की शीर्ष पर संत रविदास के भक्ति गीतों की धुन पर श्रद्धालु नृत्य करते हुए चले रहे थे।
शोभायात्रा में विशेष आकर्षण का केंद्र वादनों पर सजी संत रविदास जी और बड़ी अंबेडकर की मूर्ति झंझियां थीं। यात्रा का मार्ग जगदीशपुर से मुखेश्वरा बाजार होते हुए मुखेश्वरा बाजार होते हुए जगदीशपुर अंबेडकर मार्ग तक रहा।
कार्यक्रम का नेतृत्व सुगंध बौद्ध, सुरेश कुमार, सुग्रीव व अन्य ग्रामीणों



ने किया। श्रद्धालुओं ने संत रविदास की विराट पर माध्यापन कर उनके पत्र-चिठ्ठों पर चलने का संकल्प लिया। शोभा यात्रा में सुग्रीव कुमार बौद्ध, सुरेश कुमार बौद्ध, अनूप एडवोकेट, अमिल, आकाश कुमार, परमानंद, तुलसीराम बौद्ध, राम ओष, राधेश्याम बौद्ध, श्रीकांत, महेंद्र, महेंद्र प्रसाद, प्रदीप कुमार, कमल बौद्ध, सातल मत, प्रमोद प्रसाद बौद्ध, साहिल, प्रमोद साहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जिला पंचायत की बैठक में जबरदस्त हंगामा, अधिकारियों और सदस्यों में नोकझोंक



—53 करोड़ 93 लाख का बजट अनुमोदित

जिला पंचायत-बस्ती। जिला पंचायत बोर्ड की बैठक विकास भवन समागार में बुलाई गई, लेकिन बैठक शुरू होते ही हंगामा खड़ा हो गया। बैठक में वीडियो रिकॉर्डिंग को लेकर सदस्यों और अधिकारियों के बीच तीखी बहस हुई। जिला पंचायत सदस्य कांयवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग चाहते थे, जबकि अपर मुख्य अधिकारी ने इसका विरोध किया।
अपर मुख्य अधिकारी ने स्पष्ट कहा कि यदि वीडियो रिकॉर्डिंग जाली है, तो वे बैठक का संचालन नहीं करेंगे। इस बहस ने बोर्ड के सदस्य भड़क गए और हंगामा करने लगे। विवाद इतना बढ़ गया कि मामला गौली-गोलोचन स्थिति में हाथिनी सामानों की कोशिश की, लेकिन उनकी भी फिक्री ने नहीं सुनी। होलान निगडेट देख अवस्था के निर्देश पर भारी पुलिस बल को बुलाया गया। बावजूद इसके, बैठक की शुरुआत को लेकर बहस जारी रही। यही,

जिला पंचायत-बस्ती। जिला पंचायत बोर्ड की बैठक विकास भवन समागार में बुलाई गई, लेकिन बैठक शुरू होते ही हंगामा खड़ा हो गया। बैठक में वीडियो रिकॉर्डिंग को लेकर सदस्यों और अधिकारियों के बीच तीखी बहस हुई। जिला पंचायत सदस्य कांयवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग चाहते थे, जबकि अपर मुख्य अधिकारी ने इसका विरोध किया।
अपर मुख्य अधिकारी ने स्पष्ट कहा कि यदि वीडियो रिकॉर्डिंग जाली है, तो वे बैठक का संचालन नहीं करेंगे। इस बहस ने बोर्ड के सदस्य भड़क गए और हंगामा करने लगे। विवाद इतना बढ़ गया कि मामला गौली-गोलोचन स्थिति में हाथिनी सामानों की कोशिश की, लेकिन उनकी भी फिक्री ने नहीं सुनी। होलान निगडेट देख अवस्था के निर्देश पर भारी पुलिस बल को बुलाया गया। बावजूद इसके, बैठक की शुरुआत को लेकर बहस जारी रही। यही,

जिला पंचायत-बस्ती। जिला पंचायत बोर्ड की बैठक विकास भवन समागार में बुलाई गई, लेकिन बैठक शुरू होते ही हंगामा खड़ा हो गया। बैठक में वीडियो रिकॉर्डिंग को लेकर सदस्यों और अधिकारियों के बीच तीखी बहस हुई। जिला पंचायत सदस्य कांयवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग चाहते थे, जबकि अपर मुख्य अधिकारी ने इसका विरोध किया।
अपर मुख्य अधिकारी ने स्पष्ट कहा कि यदि वीडियो रिकॉर्डिंग जाली है, तो वे बैठक का संचालन नहीं करेंगे। इस बहस ने बोर्ड के सदस्य भड़क गए और हंगामा करने लगे। विवाद इतना बढ़ गया कि मामला गौली-गोलोचन स्थिति में हाथिनी सामानों की कोशिश की, लेकिन उनकी भी फिक्री ने नहीं सुनी। होलान निगडेट देख अवस्था के निर्देश पर भारी पुलिस बल को बुलाया गया। बावजूद इसके, बैठक की शुरुआत को लेकर बहस जारी रही। यही,

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक

भारतीय बस्ती

बस्ती 16 फरवरी 2025 रविवार

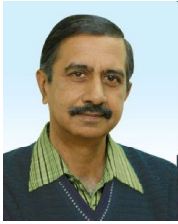
सम्पादकीय

अमेरिकी हित और भारत

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिका की नीतियां 'अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका' पर ही समाप्त हो जाती हैं। दूसरी बार सत्ता में आए ट्रंप ने जिस आक्रामक तरीके से कनाडा, मैक्सिको व चीन आदि पर टैरिफ लगाए हैं, वैसी आक्रामकता उन्होंने भारत के प्रति नहीं दिखायी। हाल में व्हाइट हाउस में सैन्य प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बातचीत कई मायनों में सकारात्मक रही। उसमें किसी तरह की तल्लू नजर नहीं आई। यह निर्विवाद सत्य है कि अमेरिका हमेशा अपने कारोबारी हितों को ही प्राथमिकता देता है। इस मुलाकात में यही नजर आया कि ट्रंप दोनों देशों के व्यापार संतुलन का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में करने को कटिबद्ध है। इस मुलाकात में उन्होंने टैरिफ का मुद्दा भी उठाया और व्यापार घाटे को कम करने के लिये अधिक तेल, गैस और सैन्य—सामान खरीदने की जिम्मेदारी भारत पर डाल दी। दरअसल, भारत कुछ उन देशों में शामिल हैं जिनके साथ व्यापार का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में नहीं है। यही वजह है कि ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ तो की, लेकिन साथ ही भारत में अमेरिकी सामान पर तर्कसंगत कर लगाने की बात भी कही। यदि ट्रंप की मौजूदा नीतियां सिरि चढ़ी तो व्यापार की परिस्थितियां अमेरिका के अनुकूल भी हो सकती हैं। ट्रंप ने मोदी को अपनी तुलना में बेहतर सख्त वार्ताकार बताया। दोनों नेताओं ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दुगुना करने तथा लाभदायक व्यापार समझौते के लिये बातचीत करने का संकल्प भी जताया। भविष्य में व्यापार समझौता अमेरिका के पक्ष में न झुके, इसमें पीएम मोदी के कूटनीतिक कौशल की परीक्षा भी होनी है। यहां उल्लेखनीय है कि मोदी-ट्रंप मुलाकात में रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में बातचीत सकारात्मक रही। दोनों देशों ने एक दस वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। जिसमें प्रमुख हथियारों और प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना का मार्ग प्रशस्त किया गया। यही दूसरी ओर यदि भारत को अमेरिकी एक-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित आपूर्ति परवाना चढ़ती है तो पड़ोसी देशों की बेचोनी और बढ़ जाएगी।

इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण घोषणा यह भी रही है कि 26511 के सांजिशकर्ता तहबुराण का प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई है। यह पाकिस्तान को चेतावनी भी है कि वह अपनी जमीन से आतंकवादियों को सीमापार आतंकी हमलों को अंजाम देने में मदद बंद करे। अब इस्लामाबाद पर मुंबई और पलानकोट के आतंक हमलों के सांजिशकर्ताओं को सजा देने का दावाव भी बढ़ जाएगा। निस्संदेह, ट्रंप का 'टैरिफ आतंकवाद' निगलने वाली कड़वी गोली हो सकती है, लेकिन भारत की रक्षा तथा तैयारियों में अमेरिका की बढ़ी भूमिका एक आक्रामक प्रस्ताव होगा। हालांकि, ट्रंप ने भारत पर टैरिफ को लेकर कोई सीधी घोषणा तो नहीं की लेकिन यह जरूर कहा कि जितना टैरिफ अन्य देश अमेरिकी सामान पर लगाते हैं, अमेरिका भी उसी अनुपात में टैरिफ लगाएगा। उल्लेखनीय है कि जिस समय पीएम मोदी अमेरिका यात्रा के लिये निकले, अमेरिका से अपमानजनक तरीके से भारत भेजे गए कथित अवैध प्रवासियों का मुद्दा गर्म था। ट्रंप के साथ मुलाकात में भारत ने अवैध रूप से आए भारतीयों को वापस लेने की बात भी कही। पत्रकार वार्ता में मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर हमारे विचार एक जैसे हैं। यदि अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों की पुष्टि होती है तो हम उन्हें वापस लेने के लिये तैयार हैं। उन्होंने इसे मानव तस्करी के की कर्तव्य बताया। कहा कि तब नहीं मालूम होता कि उन्हें अमेरिका ले जाया जा रहा है। ये बहुत आम परिवारों के बच्चे हैं, जिन्हें बड़े सपने दिखाए जाते हैं और बड़े-बड़े वायदे किए जाते हैं। उन्होंने भोले लोगों को इस साजिश से बचाने हेतु मानव तस्करी पर शिकंजा कसने की बात कही। पिछले दिनों भारतीय विदेश मंत्री ने कहा था कि भारत व अमेरिका यह तय करने का प्रयास कर रहे हैं कि वापस भेजने की प्रक्रिया के दौरान किसी भारतीय नागरिक के साथ दुर्व्यवहार न किया जाए। वहीं दूसरी ओर ट्रंप ने दुनिया में इस्लामी चरमपंथ के खतरे से निपटने के लिये भारत और अमेरिका के मिलकर काम करने की भी संज्ञा जाहिर की। ट्रंप ने नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र संशोधन में प्रगति की बात भी कही।

दवाओं को प्रभावी बनाने की हो पर्यावरणीय पहल



—मुकुल व्यास—

आपको यह सुनकर जरूर आश्चर्य होगा कि हमारे पर्यावरण में मौजूद रसायन दवाओं के असर में हस्तक्षेप करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन रसायनों की पहचान करने से दवाइयों को बेहतर तरीके से काम करने में मदद मिल सकती है। आपके जौन आपकी ऊंचाई, बालों और आंखों के रंग और त्वचा की रंगत को नि: शिंस्ट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं, लेकिन वे आपकी पूरी कहानी नहीं बताते हैं। आपके व्यक्तित्व, आपकी पसंद और नापसंद और आपके स्वास्थ्य को आकार देने में आपका पर्यावरण अविचलनीय रूप से महत्वपूर्ण है। वास्तव में, आपके कवच आपके आहार, सामाजिक संपर्क, प्रदूषण से संपर्क, शारीरिक गतिविधि और शिंक्षा के प्रभाव अक्सर आनुवंशिकी के प्रभावों और अन्य विशेषताओं से अधिक होते हैं जो आपकी परिभाषित करती हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि हम पता लगा लें कि आपके जीन और पर्यावरण आपका, हृदय रोग, कैंसर, हिमेशिया और अन्य दवाओं के विकास की संभावना को कैसे बढ़ाते हैं, तो



चिकित्सा के तौर-तरीकों में एक बड़ा बदलाव आ सकता है। जीनोमिक्स विज्ञान का एक तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है। यह जीन विज्ञान की एक शाखा है जो जीनोम के अध्ययन से संबंधित है। जीनोम एक जीव के डीएनए का पूरा सेट होता है, जिसमें उसके सभी जीन और अन्य डीएनए सीबैन्स शामिल होते हैं। जीनोमिक्स में जीनोम की संरचना, कार्य और विकास का अध्ययन किया जाता है। इसमें जीनों की पहचान, उनके कार्यों का विश्लेषण और जीनोमिक डेटा के विश्लेषण के लिए कंप्यूटर तकनीकों का उपयोग शामिल है। जीनोमिक्स का उपयोग करके नई दवाओं और उपचारों का विकास किया जा सकता है। जीनोमिक्स का उपयोग करके फसलों की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। पारिस्थितिकी जीनोमिक्स का उपयोग करके पारिस्थितिक तंत्र की समझ में सुधार

किया जा सकता है। जीनोमिक्स के क्षेत्र ने बीमारी के जोखिम से जुड़ी आनुवंशिक विविधताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए अस्पताल और घर दोनों में परीक्षण करना अपेक्षाकृत सरल बना दिया है। हाल के वर्षों में, विज्ञान कई बीमारियों के जोखिम को बढ़ाने वाले पर्यावरणीय अपराधियों को ट्रैक करने और अपराधों के व्यक्तित्व पर्यावरणीय जोखिमों के आधार पर उपचारों को अनुकूलित करने के तरीकों की पहचान करने में प्रगति कर रहा है। जीनोमिक्स के साथ ही एक्सपोजोमिक्स भी एक उभरता हुआ विज्ञान है जो आपके जीन विज्ञान को प्रभावित करने वाले सभी भौतिक, रासायनिक, जैविक और सामाजिक कारकों का अध्ययन करता है।

का उपयोग करते हैं, वैसे ही एक्सपोजोमिक्स में वैज्ञानिक स्वास्थ्य पर हजारों पर्यावरणीय कारकों के प्रभावों को मापने के लिए पर्यावरण विज्ञान और उच्च तकनीक वाले संस्कार का उपयोग करते हैं। हम जानते हैं कि दवाएं हमेशा काम नहीं करती। कई लोगों के लिए, कुछ दवाओं के इलाज के लिए मानक दवा उपचार बस काम नहीं करते हैं। रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए अक्सर महीनों के परीक्षण की आवश्यकता होती है। इसी तरह डिप्रेसन के लिए उपयुक्त उपचार योजना की पहचान करने में महीनों या वर्षों तक का समय लग सकता है। जिससे अमेरिका में दवाओं के कारण होने वाले प्रतिकूल परिणामों के कारण हर साल दस लाख से अधिक लोगों को अस्पतालों के आपातकालीन विभागों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। रोगियों के बीच दवा के प्रभावों में ये अंतर किस वजह से होता है? क्या यह उनके

जीन हैं? क्या वे साइड इफेक्ट के कारण अपनी दवाएं निर्धारित अनुसार नहीं ले रहे हैं? या इन सब के पीछे कुछ और है? अध्ययनों से पता चलता है, कि आपके पर्यावरण का इस बात पर बहुत प्रभाव हो सकता है कि विशिष्ट उपचार आपके लिए कितने कारगर हैं। उदाहरण के लिए, किसी विशिष्ट दवा को लेते समय गैप फ्रूट (ब्रोकली) का रस न पीने की सलाह देने वाले चेतावनी लेबल के बारे में सोचें। ऐसा इसलिए है क्योंकि ग्रेफ्रूट में मौजूद एक प्राकृतिक रसायन उन एंजाइमों को रोकता है जो उन दवाओं को विखंडित करते हैं। उच्च कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ सामान्य स्टैटिन विषाक्त स्तर तक बढ़ सकते हैं क्योंकि ग्रेफ्रूट के रस में मौजूद रसायन इसकी सामान्य प्रोसेसिंग को अवरोध कर देते हैं। ग्रेफ्रूट ही एकमात्र पर्यावरणीय कारक नहीं है जो आपके दवाओं के प्रति आपके प्रतिक्रिया को प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए पर अमेरिका में 8,600 से अधिक रसायनों का उपयोग किया जाता है, और लोग प्रतिदिन इनमें से हजारों रसायनों के संपर्क में आते हैं। इस बात की अधिक संभावना है कि इनमें से कई रसायन आपके द्वारा ली जाने वाली दवाओं के साथ परस्पर क्रिया कर सकते हैं। पित्तसू और टिप्स को पालतू जानवरों से दूर रखने के लिए हम जिन रसायनों का इस्तेमाल करते हैं, वे वास्तव में ग्रेफ्रूट के रस द्वारा अवरोध एंजाइम के स्तर को बढ़ा सकते हैं। इससे स्टैटिन इतनी तेजी से विखंडित हो जाता है कि यह बड़े हुए कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित नहीं कर सकता।

कार्बनिक पदार्थों के जलने से बनने वाले उप-उत्पाद, जैसे इंजन एंजाइटर और जलती हुई लकड़ी, दवाओं का चयापचय करने वाले एंजाइमों में भी हस्तक्षेप कर सकते हैं। इनमें से कुछ रसायन, जिन्हें पॉलीप्रोमेरिक हाइड्रोकार्बन कहा जाता है, अस्थि के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं को निष्क्रिय कर सकते हैं। आपके अस्थि को टिगर करने वाला पर्यावरणीय कारक इससे इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं को काम करने से रोक सकता है। रसायन विज्ञान में प्रगति शो: कर्तव्यों को यह पता लगाने में मदद कर रही है कि कौन से रसायन उपचार के रास्ते में आ रहे हैं। अनुसंधान प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक मास स्पेक्ट्रोमीटर नामक उपकरणों का उपयोग करके एक साथ हजारों अणुओं की उपस्थिति का पता लगा सकते हैं। इस प्रकार वैज्ञानिक किसी दिए गए नमूने में मौजूद सभी कीटनाशकों, प्लास्टिफाइंग (प्लास्टिक को नरम बनाने वाले रसायन), प्लास्टिक, प्रेषण और अन्य रसायनों की पहचान कर सकते हैं। सही व्यक्ति को सही समय पर सही दवा देने के लिए उन पर्यावरणीय कारकों की बेहतर समझ की आवश्यकता है कि इनमें से अधिक रसायन आपके द्वारा ली जाने वाली दवाओं के साथ परस्पर क्रिया कर सकते हैं। पित्तसू और टिप्स को पालतू जानवरों से दूर रखने के लिए हम जिन रसायनों का इस्तेमाल करते हैं, वे वास्तव में ग्रेफ्रूट के रस द्वारा अवरोध एंजाइम के स्तर को बढ़ा सकते हैं। इससे स्टैटिन इतनी तेजी से विखंडित हो जाता है कि यह बड़े हुए कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित नहीं कर सकता।

कार्बनिक पदार्थों के जलने से

वक्फ बिल: ढूढने होंगे समाधान के रास्ते



—डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी—

वक्फ इस्लामी कानून के तहत धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए विशेष रूप से समर्पित संपत्तियों को संभालने का काम करता है। एक बार वक्फ के रूप में नामित होने के बाद संपत्ति दान करने वाले व्यक्ति से अलगाव को ट्रांसफर हो जाती है। यह अपरिवर्तनीय होती है। इन संपत्तियों का प्रबंधन वक्फ या सखम प्राधिकरण की ओर से नियुक्त नुतबखी द्वारा किया जाता है। रेलवे और खा विभाग के बाद वक्फ बोर्ड कथित तौर पर भारत में तीसरा सबसे बड़ा मौल धारक है।

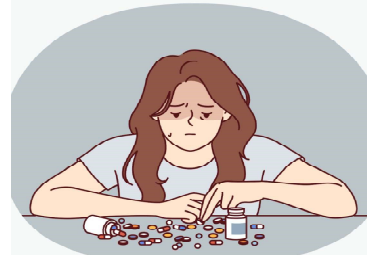
भारत एक लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र है। कानून का राज है, तत्पर्य और विवेकी न्यायपालिका है। इस देश में वक्फ बोर्ड भी है। जिस हमारा, जमीन, जंगल और रेकूडेड जमीन पर मंदिर और मठ की तरफ अपनी उंगली उठाती है, तो वह उसकी संपत्ति मान ली जाती है। बेइशक विवादों के लिए एक ट्रिब्यूनल भी है, लेकिन उसमें 40,900 से अधिक मामले अभी भी लंबित पड़े हैं। 19942 मामले ऐसे भी हैं जो मुसलमान वार्दियों में ही वक्फ के खिलाफ कर रहे हैं। देश में वक्फ और रेलवे के बाद सबसे अधिक वक्फ बोर्ड के अधीन 9.40 लाख एकड़ जमीन है। आर्थिक विश्लेषण किया जाए, तो उस जमीन से 1.25 लाख करोड़ रुपये की आयोजना होनी चाहिए। वक्फ जमीन के कब्जेवाले सिर्फ 200 करोड़ रुपये की आयनगी ही मानते रहे हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार में दो सिया वक्फ बोर्ड सहित 32 वक्फ बोर्ड हैं। राज्य वक्फ बोर्ड का नियंत्रण लगभग 200 वक्फों के हाथों में है। क्या यह किसी घोटाले की ओर संकेत करता है? क्या ऐसी निरंकुशता और कानूनहीता किसी संवैधानिक देश में स्वीकार्य हो सकती है? यह बुनियादी आधार है, जिस पर वक्फ बोर्ड के नए कानून, नए नियमों और पूरी तरह कानूनी प्राप्ति के लिए मौजूदा कानून में संशोधन अनिवार्य

है। भारत में सेंट्रल और राज्य के कुल 30 बोर्ड कार्यरत हैं। लाखों संपत्तियां वक्फ बोर्ड के अधीन हैं, लेकिन आम मुसलमान के लिए कोई फायदा नहीं। आम मुसलमान के लिए कोई अधिक उत्पादन नहीं। आधुनिक स्कूल, कॉलेज नहीं हैं। जरूरतमंद के लिए आर्थिक मदद की कोई विशेष योजना नहीं है। यह बिल मौजूदा वक्फ कानून में लगभग 40 बरौदावों का प्रस्ताव रखता है। इसके तहत वक्फ बोर्डों का सभी संघटित दायों के लिए अनिवार्य रूप से गुजरना होगा, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। इसका उद्देश्य वक्फ बोर्डों की संरचना और कामकाज को बदलने के लिए प्राय: 9 व 14 में संशोधन करना है, जिसमें महिलाओं के लिए प्रतिनिधित्व को शामिल किया गया है। इसके अलावा, विवादों को निपटने के लिए वक्फ बोर्डों द्वारा दायों की गई संपत्तियों का नया सत्यापन किया जाएगा और दुर्भावना को रोकने के लिए, जिला मजिस्ट्रेट वक्फ संपत्तियों की निगरानी में शामिल हो सकते हैं।

द इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार, यह कानून वक्फ बोर्डों की मनमानी शक्तियों को लेकर व्यापक विरोधों के कारण लाजा रहा है। उदाहरण के लिए, सितंबर 2022 में, तमिलनाडु वक्फ बोर्ड ने मुख्य रूप से हिंदू बहुल तिरुचेवुर गांव पर वक्फ बोर्डों द्वारा वक्फ की शक्ति पर सचवर केरौटी की रफ्त में भी वक्फ कर कई गंभीर और तल्लू टिप्पणियां की गई थीं। दरअसल एक ताकतवर तबके के वक्फ बोर्ड के लिए लाजों वक्फों पर अवैध कब्जे हैं। संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 29 के तहत न तो किसी के मौलिक अधिकार छीने जा सकते हैं, न मजबूती आधारों को 'गुलाम बनाया जा रहा है और न ही सरकार किसी मजिस्ट्रेट, इलाहाबाद, दरगाह, मदरसों, कब्रिस्तानों आदि पर कब्जे के मुद्दे पर बातें बेटी है।

तनाव संक्रमण एक मौन महामारी

—दिव्या नाइक—



आधुनिक कार्यालय में तनाव संक्रमण एक मौन महामारी है। भावनात्मक या शारीरिक संकेतों के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तनाव के प्रसार के रूप में परिभाषित, यह घटना अक्सर किसी के ध्यान में नहीं आती है। यह उत्पादकता, टीम की गतिशीलता और व्यक्तित्व मलाई को प्रभावित करती है। यह केवल एक पारस्परिक मुद्दा नहीं है, बल्कि एक पारस्परिक समस्या है। मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर इसके कारणों, प्रभावों और इसे कम करने के लिए उपाय का संकेत देते हैं। कदमों के बारे में जानकारी देते हैं। तनाव संक्रमण कार्यस्थल में सूक्ष्म रूप से शुरू होता है। वृद्ध स्थिति नैदानिक मान्यवैज्ञानिक स्पष्टीकरण के बिना का कहना है कि तनाव व्यवहार, भावनाओं और शारीरिक संकेतों के माध्यम से अनजाने में फैलता है। टीम के सदस्य तनावग्रस्त सहकर्मी की निगरानी, जलन या खुदलाहल की नकल कर सकते हैं, बिना यह जाने कि यह कैसे है। दबाव रहने वाले नेता अनजाने में कठोर लड़ाई का उपयोग करके, आग्य लक्ष्य निर्धारित करके या टीम के प्रयासों को पहचानने में विफल होकर इस प्रभाव को बढ़ा सकते हैं। तनाव संक्रमण का शारीरिक आधार कोर्टिसोल में निहित है, जो तनाव के दौरान निकलने वाला एक हार्मोन है। कोर्टिसोल स्तर टीम के सामंजस्य को बाधित कर सकता है और रणनीतिक, समस्या—समाधान की बजाय प्रतिक्रियाशील को बढ़ा सकता है।

मिथा टीम सेंटिंग में वृद्धि का वर्णन करते कहती हैं, "तनाव पारस्परिक संघर्ष, कम मनोबल और विश्वास में गिरावट का कारण बन सकता है। जो नेता तनाव को संबोधित नहीं करते हैं वे टीम के तनाव को बढ़ाते हैं, जिससे छोटी बुनियातों की असंभव लातरी है।" दूरस्थ टीमों के लिए, तनाव संक्रमण एक बुनौती बना हुआ है। संक्षिप्त ई-नेतृ, तनावपूर्ण वीडियो मीटिंग या जुड़ाव की कमी तनाव को दूर-दूर तक फैला सकती है। तनाव संक्रमण के शुरूआती लक्षणों की पहचान करना इसे नियंत्रण से बाहर होने से पहले संबोधित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

तनाव संक्रमण के शुरूआती लक्षणों की पहचान करना इसे नियंत्रण से बाहर होने से पहले संबोधित करने के लिए महत्वपूर्ण है। क्रॉनिक तनाव गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा हुआ है, जिसमें उच्च रक्तचाप और अग्न्याशय का विकार शामिल है। उदाहरण के लिए, देखभाल करने वाले को छुट्टी की जरूरत हो सकती है, जबकि न्यूरोइंफ्लेमेटरी कर्माचारियों को स्पष्ट प्राथमिकता से फायदा हो सकता है। नेताओं को तनाव के बारे में वास्तविकी को सामान्य बनकर एक उदाहरण भी स्थापित करना चाहिए। डा. मलिक मेघता को महत्व पर जोर देते हैं, नेताओं से अपने तनाव प्रबंधन अभ्यासों को खुले तौर पर सांझा करने का आग्रह करते हैं। संवाद के लिए सुरक्षित स्थान बनाना भी महत्वपूर्ण है। मिथा तनाव को उजागर करने के लिए गुप्तमान सर्वेक्षण और जांच का सुझाव देती हैं। समूह थकान और व्यवहार में बदलाव भी तनाव संक्रमण का संकेत देते हैं। मिथा एक प्रमुख संकेतक के रूप में पारस्परिक गतिशीलता पर जोर देती हैं। वह नोट करती हैं कि टीमों के भीतर लातारों, संघर्ष, घमासान, बहिष्कार और कम मजाक करना स्पष्ट संकेत हैं। समय मनोबल, नेतृत्व, विश्वास में गिरावट आदि संकेत देती हैं कि तनाव ने जड़ जमा ली है। बैठकों के दौरान तनावपूर्ण मुद्दा या आइड से संपर्क की कमी जैसे नैर-मौखिक संकेत भी तनाव को प्रकट कर सकते हैं। तनाव संक्रमण का प्रभाव केवल उत्पादकता से कहीं आगे तक फैला हुआ है। तनाव संक्रमण के शुरूआती लक्षणों के शुरूआती लक्षणों की पहचान करना इसे नियंत्रण से बाहर होने से पहले संबोधित करने के लिए महत्वपूर्ण है। डा. अमित मलिक सामान्य संकेतकों की परेखा देते हुए कहते हैं, "चिड़चिड़ापन, जुड़ाव में कमी, अक्सर उच्च प्रत्याग्य दर और

45 किमी में चार टोल प्लाजा से टूट रही कमर



सावधानता-गोरेखपुर।
गोरेखपुर के नए कलेक्टर परिसर की बर्माजेली इमारत की अड़नदूर हो गई है। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पैमाशु न्यायाधीश की गई है। अंतर्गत कार्य को हार्दिकता से इस संविधान में किसी तरह की राहत नहीं मिली है। इस उच्च न्यायालय का आदेश पराने के बाद प्रशासन ने पुराने कलेक्टर परिसर में पैमाशु न्यायाधीश की गई है। परिसर में पहले से शुरू दो मवन और 50 से ज्यादा शेड टूटेंगे। कलेक्टर परिसर में सड़क को लेकर अब सर्वे किया जा रहा है। सन 1987 में 40 फीट चौड़ाई वाली जगह। शासन के निदेश पर निर्माण की कार्य को तर्ज पर ईद इमारत को निर्माण किया जाना है। शासन इसकी रिपोर्ट बजट भी दे दिया है। योजना के मुताबिक जेलीम और एक्सप्रेस की लिए अलग-अलग बॉलिक बनाए जाएंगे। ये बॉलिक आपस में जुड़े होंगे और छह-छह मंजिल के होंगे। पहले पराने में दोनों बॉलिक बनाए जाएंगे। पुराने मवन को गिराने के बाद निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए मूनी पुराने कार्य के बाद कार्ययोजना में कुछ मवन को तोड़ने की योजना बनाई, जो नए मवन के निर्माण की जरूरत में आ रहे हैं।

1
 2
 3
 4
 5
 6
 7
 8
 9
 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525

कहते हैं कि वाराणसी से सीनीली जाना है तो पल्लु टोल डोल बेलीपान (मिचड़ा), दूसरा तेलआ, तीसरा शेपुपर चमराह और चौथा टोल नयमसर में से कोई एक।

रुप बनाया जाएगा। तबले के सभी 116 परीक्षा केंद्रों को सीसी केनरों से जोड़ा जा रहा है। इस बार परीक्षा केंद्रों का नक्का नकल करने पर सख्त लापना के लिए कहा गया है। सामान्य को इंटीग्रेट कर को सॉल्व करने की दिशा में आवश्यक कर्म उठाए जाएंगे। शनिवार को स्थापित होने वाले फोटोसल से के टीआईआर का प्रकाश होने के लिए टीआईआरएस प्रजापरा सिंह ने

[illegible]

दें कि यदि किसी ट्रक का वाराणसी कागजी दुश्वारिया के चलते उम्र पूरी लिए 16 एकड़ जमीन चिन्हित हुई
से सोनौली जाना है तो 45 किलोमीटर कर चुके ट्रकों का सही समय से थी।



T
 T
 E
 S
 -
 T
 f
 T
 I
 K
 T

सरकार उ०प्र० आदि	समस्याएँ	हजार का जुर्माना भी लगाया है
1. सरकार उ०प्र० जरिये जिलाधिकारी	बनाम	मनोज चौहान पुत्र श्याम लाल निवासी
महोदय बस्ती 2. उप जिलाधिकारी	गुडिया आदि	नेहरू नगर नरकटवाहा थाना बांसी के
महोदय हरैया बस्ती 3. तहसीलदार	1. गुडिया देवी पत्नी शिवकुमार 2.	

माजिद अली आदि	
1. माजिद अली पुत्रो हाजिम अली 2. अनीस पुत्र शाह मोहम्मद 3. इशरात अली पुत्रो हदीश 4. हाजिद अली पुत्र हाजिम अली 5. दिवाजर हुसैन पुत्र गफ्फरुल्लाह 6. साजिद अली पुत्र हाजिम अली 7. एखलाक हुसैन पुत्र गुलाम हुसैन 8. मो. सईद पुत्र शाह मोहम्मद 9. इब्राहिम अली पुत्र गुलाम हुसैन 10. श्रीनील सबरनाथसनी पत्नी हदीश अली 11. अहमद अली पुत्र सो. अजी 12. शीनीली सय्यास अजी	माता हकीकी 3. रंग्य अउ करीब 35 वर्ष 4. उर प्रकाश अउ करीब 35 वर्ष 5. पुत्राग्र परमात्मा 6. सुन्दर (मुक्तक) 5/1 आरती अउ करीब 30 वर्ष 7. पत्नी सुन्दरी 5/2 आरश अउ करीब 6 वर्ष 8. पुत्रा नवालिग सज्जुम अली पुत्र हाजिम अली 6. पंचदेव पुत्र जमरुतुल्लाह 7. अशोक अउ करीब 45 वर्ष 8. शीतल अउ करीब 32 वर्ष 9. अजिज सौमनस वज्जजम (मुक्तक) 10. अनिम अउ करीब 35 वर्ष 11. सुनील अउ करीब 20 वर्ष 12. नारायण नारायण-

11

जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकफ किया गया हो और जो कुल ज़रूर अहम मसल्लिका मुकदमा

स्वतत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र

तारीख पेशी १८-०३-२०२५

हरहाग मुद्दस
मजकूरकरने न इस आदालत
दरखास्त हुकुम मुहार मन्सूफ
शिमसिरी नौलश नाबुदा हरहाग
हिदायत आदालत हाजा बतारिरी
माह सन १० पैशा को वं
तिहाजा अपको इस्तिगत
में बतारिरी १८ माघ इस आदलत
में बतारिरी १८ माघ ३२ २०२४
या आदालत या बजरिये वकील
आदालत हाजा या मुख्तार मानसुफ
हरहाग और वाकिफ हाजार
मुक्तमाम में हाजिर होकर बदन (अगर
वकील) जाहिल कर के नाबुदा की
दरखास्त को न मनसूर किया है।

बसख मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन २० ई० जारी किया गया। —द० हाकिम	बसख मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन २० ई० जारी किया गया। —द० हाकिम	गारखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर। मो०9450567540 9336715406, ईमेलbbarti.abasti@yahoo.com bbarti.abasti@gmail.com
---	---	--
